आचार्य
श्री नरेंद्र मोदी

ACHARYA (CHANCELLOR)
SHRI NARENDRA MODI

उपाचार्य
प्रो. विद्युत चक्रवर्ती

UPACHARYA (VICE-CHANCELLOR)
PROF. BIDYUT CHAKRABARTY

विश्वभारती
VISVA-BHARATI

(Established by the Parliament of India under
Visva-Bharati Act XXIX of 1951
Vide Notification No. : 40-5/50 G.3 Dt. 14 May, 1951)

संस्थापक
रवीन्द्रनाथ ठाकुर

FOUNDED BY
RABINDRANATH TAGORE

शांतिनिकेतन - 731235
SANTINIKETAN - 731235
जि.वीरभूम, पश्चिम बंगाल, भारत
DIST. BIRBHUM, WEST BENGAL, INDIA
फोन Tel: +91-3463-262 451/261 531
फैक्स Fax: +91-3463-262 672
ई-मेल E-mail: vice-chancellor@visva-bharati.ac.in
Website: www.visva-bharati.ac.in

सं./No._____ दिनांक/Date._____

द्वितीय संदेश

विश्वभारती से पल्लवित-पुष्पित होने वाले मेरे सहयोगी, छात्र और अन्य हितधारकगण !

26 जून, 2020

वर्तमान एवं पूर्व संदेश का उद्देश्य न तो अपना बचाव करना है और न ही मुझे विश्वभारती के कुलपति के रूप में दी गई प्रशासनिक जिम्मेदारियों से भागने का प्रयास करना है।इसका उद्देश्य किसी पर दोष लगाना नहीं है, बल्कि विश्वविद्यालय के प्रति अपनेपन की भावना पैदा करना है जो हमारे जीविका और विकास का स्रोत है। मेरे संदेश में आत्मनिरीक्षण के लिए एक आह्वान भी शामिल है: हमें यह सवाल करने की ज़रूरत है कि क्या विश्वभारती की विरासत के लिए हमारा प्रेम वास्तविक जीवन में गुरुदेव रबींद्रनाथ टैगोर द्वारा स्थापित महान विरासत के सम्मान में सेवा के कार्य करता है।

1) नि: संदेह इस गौरवशाली शैक्षणिक संस्थान के हित में कई मुद्दों को एक साथ आसानी से हल किया जा सकता है जो गुरुदेव टैगोर के इस प्रयास को सभी हितधारकों को महान विरासत के साथ तत्काल जोड़ता है।

2) हमारे पास कई समस्याएँ हैं जिन्हें तत्काल हल नहीं किया जा सकता क्योंकि इसके लिए बाह्य एजेंसियों (मानव संसाधन विकास मंत्रालय,विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, आदि) से विभिन्न प्रकार (आर्थिक सहायता सहित) के सहयोग की आवश्यकता होगी।

3) सभी जानते हैं कि विश्वभारती पारंपरिक विश्वविद्यालय नहीं है। यह वास्तव में एक विचारधारा है जिसमें अद्वितीय शिक्षण पद्धति और संस्कृति का विशाल भंडार समाहित है जो वैश्विक सभ्यताओं के गौरव को आकर्षित करता है। हम उपासना मंदिर, बैतालिक में नियमित रूप से प्रार्थना करते हैं। विशेष अवसर पर यथा माघ उत्सव, हलाकर्षण (खेती के मौसम की शुरुआत), वृक्षारोपण (वृक्षारोपण अभियान), पौष उत्सव, बसंत उत्सव, 25 वाँ बैशाख का उत्सव (संस्थापक का जन्मदिन), 22 वें श्रावण इत्यादि के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन करते हैं।ये आयोजन विश्वविद्यालय की विशिष्टता को प्रभावशाली बनाते हैं। अब मैं एक बहुत ही निष्पक्ष प्रश्न रखता हूं। विश्वविद्यालय के लगभग 15,000 सदस्यों (छात्रों, शिक्षकों, गैरशिक्षण कर्मचारी, इत्यादि), में से कितने इन कार्यक्रमों में भाग लेते हैं? एक ईमानदार और आकस्मिक सर्वेक्षण से दुर्भाग्यपूर्ण सच्चाई उजागर होगी।।

4) विभिन्न हितधारकों, विशेष रूप से हमारे छात्रों ने दूसरे विश्वविद्यालय की तरह वाई-फाई जैसी सुविधाएँ उपलब्ध करवाने के लिए कहा है। हम, प्रशासन में, अपने वेतन से 10% का योगदान करके कॉर्पस फंड बनाना चाहते थे। हममें से कुछ लोग एक महीने का वेतन देने के लिए इच्छुक थे। हमारे मासिक वेतन के एक मामूली हिस्से को दान करने का अनुरोध विभिन्न मंचों पर किया गया और एक स्वर में ठुकरा दिया गया। जब 7वाँ केंद्रीय वेतन आयोग बकाया दिया गया तो प्रशासन ने समान अनुरोध किया और इसे अस्वीकार कर दिया गया। "कड़ी मेहनत और वैध" तरीके से अर्जित आय के साथ साझेदारी नहीं करने का निर्णय शायद ठोस कारणों से लिया गया था। यह विश्वविद्यालय के समारक्षण और छात्रों एवं अन्य ज़रूरतमंद लोगों की सहायता के लिए अर्जक की चिंताओं पर हावी रहा। यह सुनिश्चित करता है कि विश्वविद्यालय के पास आय का एक स्रोत बचा हुआ है: मानव संसाधन विकास मंत्रालय। यह ज्ञात तथ्य है कि सरकार का सहयोग नियमित रूप से कम हो रहा है और विश्वविद्यालय को अपने समारक्षण के लिए धन जुटाने की जिम्मेदारी दी गई है। ऐसी परिस्थितियों में भी, मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने परिसर में वाई-फाई स्थापित करने के लिए पर्याप्त धनराशि की मंजूरी दी,जिसकी अवधि दुर्भाग्यवश निधियों की अपर्याप्तता के कारण प्रतिबंधित है। इसे 24/7 कार्यशील रखने के लिए हमें अतिरिक्त धन की आवश्यकता है जिसे यदि हमारे प्रयास से एकत्र किया जाए तो यह हमारे छात्रों और अन्य हितधारकों की लंबे समय से चली आ रही मांगों को पूरा करने में मदद करेगा। हमारा अनुभव

इस बात की पुष्टि करता है कि यह आसानी से किया जा सकता है। हमने 10 अप्रैल, 2020 को कोविद 19 पीड़ितों को राहत प्रदान करना शुरू किया था। यह सप्ताह में दो बार दिया जा रहा है। हर हफ्ते कम से कम 400 परिवारों को राहत सामग्री मिलती है। यह बहुत संतोष की बात है कि राहत अभियान निर्बाध रूप से जारी है। इसके अलावा, हम इसे ऐसे व्यक्तियों द्वारा स्वैच्छिक योगदान के आधार पर प्रबंधित कर रहे हैं जो विश्वभारती का हिस्सा हैं और जो संस्थान का ख्याल करते हैं। हाल ही में, हमने बीरभूम के एक महान सपूत,स्वर्गीय राजेश ओरांग जिन्होंने उत्तरी सीमा पर अपने जीवन का बलिदान दिया, के परिवार के लिए एक कोषाध्यक्ष नियुक्त किया है । कोषाध्यक्ष प्रेरणास्रोत बन गए।मुक्त हृदय से दान करने के लिए हमारे कर्मचारियों का धन्यवाद। मैं इन उदाहरणों को केवल इसलिए उद्धृत कर रहा हूँ कि जहाँ चाह है वहाँ राह है।

5) हमारे पूर्व छात्र संघ बड़े पैमाने पर अप्रभावी निकाय बने हुए हैं।भारत एवं विश्व के अन्य विश्वविद्यालयों में ऐसा नहीं है। उन विश्वविद्यालयों में जहां पूर्व छात्र संघ सक्रिय और प्रभावी हैं,की निधि की स्थिति की आकस्मिक सर्वेक्षण से पता चलता है कि पूर्व छात्र संघ निधि सहित विभिन्न जमाओं पर प्राप्त ब्याज से आय, इन विश्वविद्यालयों द्वारा किए जाने वाले अधिकांश कल्याणकारी कार्यों के लिए धन का एक महत्वपूर्ण स्रोत है। हमने अपने पूर्व छात्र संघ को फिर से सक्रिय करने की प्रक्रिया शुरू की है। मैं विश्वभारती के छात्र-संबंधित कल्याण उपक्रमों के लिए वित्तीय सहयोग सहित उद्गम में आपसे सहायता के लिए आग्रह करता हूँ।

6) हमारी उपलब्धियां: -

7वाँ केंद्रीय वेतन आयोग बकाया राशि प्राप्त करने के बाद, विश्वभारती उन गिने-चुने विश्वविद्यालयों में से एक है जिन्हें मानव संसाधन विकास मंत्रालय और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सहयोग से लाभ हुआ है।

हमने हाल ही में परिसर में उगने वाले पार्थेनियम पौधों को उखाड़ने के लिए एक अभियान शुरू किया है जो कि अत्यावश्यक था क्योंकि पार्थेनियम की तीव्र वृद्धि स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। परिसर की मासिक सफाई भी उन कार्यक्रमों में से एक है जो हम सबको एक नेक कार्य के लिए साथ खड़ा करती है।

हमने साप्ताहिक मंदिर प्रार्थना हेतु आचार्य के लिए उम्मीदवारों के पूल को बहुविध किया है। ऐसा करके विश्वभारती, गुरुदेव के इस कदम का अनुसरण करते हुए यह सुनिश्चित कर रहा है कि परिसर सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक दृष्टिकोण से पदानुक्रम और पक्षपात से मुक्त है।

नियमित रूप से आयोजित विश्वभारती की व्याख्यान श्रृंखला (अब तक 19 व्याख्यान आयोजित) ने हमें विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों के विचारों के साथ जुड़ने में मदद की है।

नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल की दिशा निर्देश के अनुसार 2019 पौष उत्सव चार दिनों के अंदर समाप्त कर दिया गया था।

विश्वभारती की कार्यकारी परिषद ने कोविद 19 के नियंत्रण के लिए उचित कदम उठाते हुए 2020 में बसंत उत्सव का आयोजन न करने का फैसला लिया जबकि उत्सव के लिए व्यापक तैयारी कर ली गई थी जो विश्वविद्यालय और पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित की जाने वाली थी। ।

हमारे 2019 के दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि,विश्वविद्यालय के परिदर्शक, भारत के माननीय राष्ट्रपति महोदय थे।

2019 में भारत के माननीय उपराष्ट्रपति द्वारा पुनरुद्धार किए गए *श्यामली* के पुनः उद्घाटन के साथ, विश्वभारती ने एक महत्वपूर्ण स्मारक को संजोए रखा जो न केवल गुरुदेव का निवास स्थान था बल्कि महात्मा गांधी के शांतिनिकेतन की यात्रा के दौरान उनका भी निवास स्थान था।

ध्यान दें कि एन आइ आर एफ रैंकिंग में विश्वभारती की रैंकिंग का नीचे जाना जाहिरी तौर पर "बाहर के व्यक्तियों की विश्वभारती के बारे में बोधगम्यता" के कारण है। हमारा बहुत कम अंक (यहां तक कि कुछ विश्वविद्यालय जो समग्र रैंकिंग में विश्वभारती से बहुत नीचे हैं) चिंता का विषय है, और जैसा कि मैंने अपने पूर्व के संदेश में उल्लेख किया था, इसे सामूहिक रूप से नियंत्रित करने की आवश्यकता है; अन्यथा, ह्रास को रोका नहीं जा सकता। हमें उम्मीद है कि हम एक समूह के रूप में निश्चय ही इस खाई को भर सकेंगे क्योंकि विश्वभारती ने अन्य मानदंडों में काफी अच्छा किया है। एक बार हमने मन बना लिया तो हमारे स्कोर को नीचे लाने वाले क्षेत्रों की कमियों को आसानी से दूर किया जा सकता है। कुछ क्षेत्र इस प्रकार हैं: -

क) 2019 तक विभिन्न प्रकार के विचलन और कर्त्तव्यच्युत प्रथाओं पर 46 लेखा आपत्तियां थीं। प्रशासन के हस्तक्षेप के बाद लेखा आपत्तियों को कम करके केवल 22 कर दिया गया है और हमें मार्च, 2021 तक इसे कम करके 19 करने की उम्मीद है।

ख) यदि हम विश्वविद्यालय, जो हमें जीविकोपार्जन एवं फलने-फूलने का अवसर प्रदान करता है, के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाते हैं,तो विश्वभारती के विरूद्ध 'कम्यूटिंग यूनिवर्सिटी 'होने का आरोप समाप्त हो जाएगा।

मैं यह दोहराता हूं कि मेरे संदेश का उद्देश्य कुछ प्राप्त करना नहीं है,बल्कि सार्वजनिक क्षेत्र के मुद्दों को उजागर करना है जिन पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है जिससे विश्वभारती एन आइ आर एफ रैंकिंग में और नीचे न जाए। जब तक हम अपने प्रयासों के साथ युद्धस्तर पर आगे नहीं बढ़ेंगे, हमारी नैक रैंकिंग (B +), जो बाहरी व्यक्तियों द्वारा विश्वविद्यालय के बारे में बोधगम्य हो,बढ़ नहीं सकती। जैसा कि मैंने अपने प्रथम संदेश में उल्लेख किया था, विश्वभारती प्रशासन के पास समाधान के लिए अलाद्दीन का जादुई चिराग नहीं है जो पलक झपकते ही सब ठीक कर देगा। हालाँकि मुझे विश्वास है कि विश्वभारती के शुभचिंतक गुरूदेव की भव्य परियोजना के साथ खड़े होंगे और इसे बेहतर बनाने के लिए तत्परता से काम करेंगे।

हमेशा की तरह, मैं आप सभी से आग्रह करता हूं कि सामाजिक रूप से जुड़े रहते हुए भौतिक दूरी बनाकर सुरक्षित रहें।

भरोसा रखें,

बिद्युत चक्रवर्ती 26/06/2020

बिद्युत चक्रवर्ती

•विश्वभारती•
शान्तिनिकेतन

Vice-Chancellor
Visva-Bharati
Santiniketan
West Bengal-731235
India